पत्रिका

पत्रिका {सोसायटी} SUNDAY
राजस्थान पत्रिका
SOCIETY
उदयपुर, रविवार, 02 फरवरी 2025

बसंत पंचमी पर बसंतिया वस्त्रों में होगा ठाकुरजी का श्रृंगार

आज से चंग की थाप पर गूंजेंगे फाग गीत, ठाकुरजी को धराई जाएगी अबीर-गुलाल

बसंत पंचमी पर्व को लेकर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी। पत्रिका

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

उदयपुर. बसंत पंचमी का पर्व आज मनाया जाएगा। पर्व को लेकर मंदिरों में विशेष आयोजन होंगे। ठाकुरजी को पीत वस्त्र धारण करवाए जाएंगे और होली के महोत्सव भी इसी दिन से शुरू होंगे। मंदिरों में ढोल की जगह चंग की थाप पर फाग गायन होगा। प्रतिदिन ठाकुरजी को गुलाल-अबीर धराई जाएगी। यह सिलसिला करीब डेढ़ माह तक रंगपंचमी तक चलेगा। इस दौरान विशेष तिथियों और पर्वों पर ठाकुरजी के साथ भक्त भी अबीर-गुलाल से सरोबार होंगे। जगदीश मंदिर के पुजारी रामगोपाल ने बताया कि जगदीश मंदिर में रविवार को बसंत पंचमी पर्व मनाया जाएगा। इस दिन राजभोग के बाद ठाकुरजी को बसंतिया वस्त्र धारण कराए जाएंगे। केसरिया भात का भोग धराया जाएगा। ठाकुरजी के सम्मुख बसंत के फूल धराए जाएंगे। इसके साथ ही ठाकुरजी को फाग खेलाना शुरू कर देंगे। मंदिर में चंग की थाप के साथ बसंत व होली के गीत गाए जाएंगे और ठाकुरजी को अबीर-गुलाल खेलाई जाएगी, जो होली के बाद रंगपंचमी तक चलेंगे। श्रीनाथजी मंदिर में रविवार को बसंत पंचमी का पर्व मनाया जाएगा। ठाकुरजी को बसंत का विशेष श्रृंगार धराया जाएगा एवं ठाकुरजी के सम्मुख बसंत के फूल धराए जाएंगे। बसंत पंचमी से डोल उत्सव तक ठाकुरजी को इन 40 दिनों में अबीर-गुलाल धराई जाती है। इस दौरान फाग उत्सव गुलाल, कुंड के मनोरथ होते हैं। इस दौरान वैष्णवजनों पर गुलाल-अबीर भी उड़ाई जाएगी।

बसंत पंचमी के पर्व को लेकर ऐश्वर्या कॉलेज परिसर को पीले रंग के गुब्बारों और फूलों से सजाया गया। छात्रों ने उत्साह के साथ मां सरस्वती की प्रतिमा को फूलों से सजाया और धूपदीप जलाकर पूजा की। सलोनी तिवारी, महिमा चुण्डावत, खुशिमता चंदेरिया, मदनलाल ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। प्राचार्य डॉ. रितु पालीवाल ने शुभकामनाएं दी।

दैनिक नवज्योति udaipur city - 02 Feb 2025 - Page 6

दैनिक नवज्योति 89 dainiknavajyoti.com

ार

रिवार ने
लता पर
ला कर
ा गया।
के एक
ी यात्रा
ॉक्टरों,
किया।
ं स्टाफ
ता और
ने केक
स्तम्भ
संजय
द गुप्ता
ना के
स्पिटल
र्षों की
गुप्ता ने
लीनिक
ालों में
सनीयता

आज मनाएंगे बसंत पंचमी

श्रीराम सेना रोकेगी बाल विवाह

उदयपुर। श्रीराम सेना की बैठक शनिवार को स्थानीय जिला कार्यालय पर संस्थापक गजेंद्र सिंह राठौड़ की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में संस्थापक राठौड़ ने बताया कि संगठन के सभी स्तर के पदाधिकारी बसंत पंचमी के अवसर पर हो रहे विवाह आयोजनों के दौरान बाल विवाह पर नजर रखेंगे और ऐसा होता पाए जाने पर पुलिस-प्रशासन, बाल कल्याण समिति आदि को साथ लेकर कानूनी कार्रवाई कराने में सहयोग करेंगे। बैठक में पंकज नलवाया, अमर सिंह दुलावत, प्रकाश पुरोहित, नारायण गोस्वामी, वीरेंद्र सिंह शेखावत, किसन पंवार, करण सिंह चौहान, पुनीत शर्मा आदि मौजूद रहे। मेवाड़ सगसजी लोकसेवा संस्थान, फेडरेशन ऑफ एनजीओ, सकल राजपूत महासभा के साझे में शनिवार को साल्यान परिसर में मां सरस्वती की पूजा-अर्चना कर बसंती पंचमी पर्व मनाया गया। महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष विजय सिंह कच्छवाहा ने बताया कि कार्यक्रम के अध्यक्ष आनंन्दीलाल जैन व अशोक शुक्ला ने इस अवसर पर डॉ. चन्द्रप्रकाश चित्तौड़ा द्वारा निर्मित मां सरस्वती माताजी की लघु पुस्तिका का विमोचन किया। ओमप्रकाश सिंह कच्छवाहा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

ऐश्वर्या कॉलेज में मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की गई, वहीं विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर कॉलेज परिसर सहित मां सरस्वती की प्रतिमा को पीले रंग के गुब्बारों और फूलों से सजाया गया। छात्रा सलोनी तिवारी ने नृत्य, महिमा चुण्डावत व मदनलाल ने कविता तथा खुश्मिता चंदेरिया ने गीत गाया। कॉलेज की प्राचार्य डॉ रितु पालीवाल ने विचार रखे। सुखाड़िया विश्वविद्यालय में डॉ. अल्पना सिंह के मार्गदर्शन में प्रशिक्षणार्थियों द्वारा कविताएं, श्लोक, मंत्र उच्चारण एवं सरस्वती चालीसा की प्रस्तुतियां दी गई। स्वेच्छा आमेटा एवं अक्षिता श्रीमाली ने नृत्य प्रस्तुत किया। डॉ निशा शर्मा और किरण राणावत मौजूद रहीं। संचालन अक्षिता श्रीमाली एवं खुशी द्वारा किया गया।

सनातन पाठशाला, गीता परिवार, सर्व ब्राह्मण एकता परिषद और संस्कृत भारती के संयुक्त तत्वावधान में बसंत पंचमी के अवसर पर विशेष बाल संस्कार शाला का आयोजन 2 फरवरी को सायं 4 बजे से गुलाब बाग स्थित नवलखा महल संस्कृति केंद्र के दिग्दर्शन, रोचक खेल और हास्य स्वरचित रचना पाठ के साथ आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी पाठशाला संयोजक भूपेंद्र शर्मा द्वारा दी गई।

सम्पूर्ण चराचर जगत में जो स्वर व ध्वनियां हैं वो नाद के रूप में प्रकट होकर जिनको वाणी के रूप में देने का काम मां सरस्वती ने किय और सरस्वती ने न सिर्फ वाणी को दिया वरन सात सुरों को देकर संगीत के स्वर भी फूंकने का काम भी किया। उक्त विचार आलोक संस्थान हिरण मगरी में बसन्त पंचमी उत्सव मनाने के अवसर पर आलोक संस्थान के निदेशक डॉ. प्रदीप कुमावत ने व्यक्त किए। डॉ. कुमावत ने कहा कि बसंतोत्सव प्रकृति और उल्लास का उत्सव भी है वहीं मदनोत्सव भी है। इस अवसर पर प्राचार्य शशांक टांक, एसोसिएट एडमिनिस्ट्रेटर प्रतीक कुमावत, हितिशा कुमावत आदि ने आरती कर मां सरस्वती को भोग धराया।

आज झूलेलाल भवन में सजेगी सुरों की महफिल

सिंधी समाज एवं सुरों की मंडली के तत्वावधान में बसंत पंचमी के अवसर पर रविवार को को सुरों की महफिल झूलेलाल भवन शक्तिनगर में सजेगी। कार्यक्रम के सूत्रधार मुकेश माधवानी ने बताया कि समाज में छिपी हुई प्रतिभाओं को मंच देने के उद्देश्य से यह आयोजन किया जा रहा है। इसमें युवा, वरिष्ठ नागरिक और संगीत प्रेमी अपनी गायन प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। कार्यक्रम के प्रायोजक हरीश राजानी और हेमंत भागवानी ने बताया कि संगीत केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं बल्कि यह समाज में सांस्कृतिक आदान-प्रदान और स्वस्थ मनोरंजन का एक महत्वपूर्ण जरिया भी है। कार्यक्रम संयोजक उमेश मनवानी के अनुसार अब तक 30 प्रतिभागियों ने इस महफिल में भाग लेने के लिए अपना पंजीकरण करवा लिया है।